जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 99 प्रभात चूरू, शनिवार 6 अगस्त, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

क्या सुनक का होशियारी से खेला गया, धर्म व ''रेस'' कार्ड कामयाब होगा?

सुनक ने कहा, ब्रिटेन के सांसदों की प्रतिष्ठा है कि, वे कभी भी धर्म व ''रेस'' के आधार पर वोट नहीं करते और इस बार भी वे अपनी इस प्रतिष्ठा का सम्मान करेंगे

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में लगे प्रत्याशियों के लिए निर्णय का दिन जैसे-जैसे करीब रहे हैं, ऋषि सुनक फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रहे हैं। लिज़ ट्रस के साथ चल रही अपनी प्रतिस्पर्धा में वह स्वयं का वर्णन एक कम क्षमता वाले व्यक्ति के रूप में करते हैं और घोषित करते हैं कि कंज़रवेटिव पार्टी के नेता एवं प्रधानमंत्री के चयन में नस्ल और धर्म कोई फैक्टर नहीं होगा।

सुनक ओपीनियन पोल्स के निर्णय से भली भांति वाकिफ हैं जो उन्हें 10 डाउनिंग स्ट्रीट की दौड़ जीतने की एक क्षीण संभावना प्रदान करते हैं। लेकिन वह आशावादी बने हुए हैं और उनका नवीनतम बयान कि चुनावी संघर्ष में नस्ल निर्धारक नहीं होगी, पार्टी सदस्यों की अन्तरआत्मा के लिए एक अपील प्रतीत होता है क्योंकि पार्टी सदस्य अपने नेता के चयन की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी नेता एवं प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी के चयन के लिए हो रही वोटिंग के परिणाम 5 सितंबर को घोषित होंगे।

सुनक ने स्पष्ट रूप से कहा कि ब्रिटिश सांसदों को जातिवादी एवं धार्मिक राजनीति करने वालों के रूप में नहीं जाना जाता और उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार भी वे अपनी प्रतिष्ठा अनुरूप कार्य करेंगे। विश्लेषक इस बयान की व्याख्या पार्टी के उन लोगों का दिल जीतने के रूप में करते हैं जो किसी प्रत्याशी को उसके गुणों के आधार पर नहीं बल्कि उसकी जातीय प्रोफाइल के आधार पर वोट करते हैं।

- **सुनक के इस तर्क व दलील का असर दिखने लगा है, कंज़रवेटिव पार्टी के प्रमुख दानदाता व पुराने समर्थक, लॉर्ड रामी रेंजर ने कहा कि, ब्रिटेन की धर्म निरपेक्ष व ''रेस निरपेक्ष'' होने की प्रतिष्ठा को धक्का लगेगा, अगर सुनक का कंज़रवेटिव पार्टी का नेतृत्व करने का मौका इसलिए उनके हाथ से निकल जाता है, क्योंकि, वे इमिग्रैन्ट दम्पति (शरणार्थी युगल) के पुत्र हैं।**
- **अब, लॉर्ड रेंजर का यह तर्क काफी चर्चित हो रहा है, कंज़रवेटिव पार्टी में। तथा पार्टी अपने ऊपर ''रेसिस्ट'' होने का लांछन नहीं लगवाने के लिये क्या सुनक के पक्ष में वोट करेगी?**
- **सुनक इस बात से पूर्णतया परिचित हैं कि, सर्वे उन्हें प्र.मंत्री की दौड़ जीतने की संभावना बहुत कम मान रहे हैं, अतः सुनक ने बड़ी होशियारी से हताश होकर यह ''रेस व धर्म'' का कार्ड खेला है।**

हाउस ऑफ लॉर्ड्स के मैम्बर एवं टोरी पार्टी के प्रमुख दानदाता लॉर्ड रामी रेंजर ने सुनक के पक्ष में अपनी पूरी ताकत झौंकते हुए टिप्पणी की कि ''यदि ऋषि सुनक देश का नेतृत्व करते हैं तो ब्रिटेन एक बेहतर जगह बन जाएगा। उनमें अर्थव्यवस्था की कायापलट करने और अपनी योग्यता के आधार पर विपक्ष से लड़ने की क्षमता है।''

लॉर्ड रेंजर ने यह भी कहा कि सुनक यदि टोरी लीडरशिप की रेस हार जाते हैं तो यू.के. के समक्ष प्रतिष्ठात्मक परिणामों का सामना करने का जोखिम उपस्थित हो जाएगा। अगर एक प्रवासी दम्पती के पुत्र को 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचने से रोक दिया जाता है तो देश को ''नस्ल वादी'' मान लिया जाएगा।

अब इस उम्मीद को लेकर अटकलें लगाईं जा रही हैं कि ऐसे किसी कलंक से बचने के लिए टोरी सदस्य सुनक के पक्ष में अपना वोट डालेंगे।

लगता है कि सुनक अपनी तरफ से बेहतर कर रहे हैं। लिज ट्रस हालांकि प्रधानमंत्री पद की दौड़ में आगे बनी हुई पर स्टूडियो में हुई महत्वपूर्ण बहस में सुनक ने एक आश्चर्यजनक रूप से जीत हासिल की।

ओपीनियन पोल्स ने जहां कंज़रवेटिव पार्टी सदस्यों के वोट के आधार पर ट्रस की जीत की उम्मीद जतायी है, वहीं स्काय न्यूज़ डिबेट में मौजूद श्रोताओं ने एक इलैक्ट्रोनिक वोटिंग सिस्टम के खराब हो जाने के बाद सुनक के पक्ष में हाथ खड़े कर उनका पुरजोर समर्थन किया।

शो के प्रैज़ेन्टर के. बर्ली ने ट्रस से उनकी नीतियों पर एक के बाद एक यू-टर्न लेने के लिए कई कठोर सवाल किए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपराष्ट्रपति चुनाव

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को चुनाव होगा और उसी दिन शाम तक नतीजे आने की संभावना है।

- **भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को मतदान होगा और नतीजे की घोषणा भी उसी दिन होगी।**

उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा का पदेन सभापति भी होता है, के पद के लिए पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिख और कृपाण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक एविएशन सिक्योरिटी के निर्णय के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। एविएशन सिक्योरिटी के निर्णय में सिखों को यह अनुमति दे दी गई थी कि

- **सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय हवाई अड्डों और उड़ानों में सिखों को 6 इंच तक लम्बी कृपाण रखने की अनुमति दे दी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी का राष्ट्रपति व प्र.मंत्री से मिलना तो समझ में आता है

पर, उनकी दिल्ली यात्रा की ''टाइमिंग'' व आचरण सवाल खड़ा कर रहा है, कि, विपक्षी की एकता से उनका कम सरोकार है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 05 अगस्त। पार्थो चटर्जी से संबंधित भारी नकदी घोटाले सहित कई विवादों से परेशान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा से मेल मिलाप करती प्रतीत हो रही हैं।

सार्वजनिक रूप से बनर्जी की प्रधानमंत्री के साथ आज की मीटिंग का संबंध 1,00,968.44 करोड़ की भारी भरकम राशि को जारी करने की उनकी मांग से था। यह महानरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, समग्र शिक्षा मिशन, मिड डे मील योजना पर 14वें वित्त आयोग द्वारा तय परफॉर्मेंस ग्रांट के लिए केन्द्र सरकार से लेना पैंडिंग था।

राष्ट्रीय राजधानी में गुरूवार से शुरू हुए उनके चार दिवसीय दौरे के दूसरे दिन बनर्जी ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से भी भेंट की और प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में शनिवार को होने जा रही नीति आयोग के गवर्निंग काउन्सिल की मीटिंग में भाग लेने का भी उनका कार्यक्रम हैं।

प्रधानमंत्री व अन्य के साथ बनर्जी की मीटिंग्स में उनके दिल्ली दौरे के समय के अलावा कुछ भी अनुचित नहीं हैं। मुख्यमंत्री का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब कांग्रेस नेताओं को 6 अगस्त को होने जा रहे उपराष्ट्रपति पद के चुनाव से कुछ दिन पूर्व कीमत वृद्धि के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर गिरफ्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री व अन्य के साथ दिल्ली में इस वक्त उनकी मीटिंग्स से यह संदेश जाता है कि वह विपक्ष की एकता को लेकर चिंतित नहीं हैं।

- **पूरे विपक्ष, जिनमें टी.आर.एस. व जे.एम.एम. भी शामिल हैं, ने केन्द्रीय एजेंसियों के राजनीतिक दुरूपयोग की भर्त्सना की, पर ममता जी ने चुप्पी साधी।**
- **ममता बनर्जी ने भाजपा के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को समर्थन देने का निर्णय लिया, क्योंकि कांग्रेस ने उनसे सलाह मशविरा नहीं किया, मारग्रेट अल्वा को विपक्ष का उम्मीदवार बनाने से पहले।**
- **ममता बनर्जी उस समय दिल्ली आयी हैं, जबकि कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी पर आंदोलन, प्रदर्शन कर रही है, दिल्ली में तथा ममता बनर्जी राष्ट्रपति व प्र.मंत्री से मिल रही हैं, सद्भावना की नीति के अंतर्गत।**
- **क्या ये सब संकेत हैं, ममता बनर्जी मोदी व भाजपा के नजदीक आने के प्रयास में हैं।**

केन्द्र सरकार द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों को लेकर ई.डी. और सी.बी.आई का कथित दुरूपयोग किए पर कांग्रेस द्वारा कुछ सप्ताह पूर्व आयोजित विपक्ष के सम्मेलन से ममता बनर्जी अनुपस्थि रही थी। उन्होंने एन.डी.ए. के उपराष्टप्रति पद के प्रत्याशी जगदीप धनखड़ को अपेक्षाकृत इस कमजोर आधार पर अपनी पार्टी के समर्थन की घोषणा की कि विपक्ष की उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी मार्गरिट अल्वा की पसंद को लेकर कांग्रेस ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गर्भपात

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मैडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रैगनैंसी एक्ट 19711 की धारा 3 (2) (बी) तथा मैडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रैगनैंसी रुल्स 2003 के रुल 3बी की प्रगतिशील व्याख्या करते हुए कहा कि गर्भपात में विवाहित व अविवाहित में भेदभाव नहीं किया जा सकता। कोर्ट इस मुद्दे पर अगली सुनवाई बुधवार को करेगा। जस्टिस डी.वाय.चंद्रचूड़,

- **सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि, गर्भपात में विवाहित और अविवाहित में भेदभाव नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात एक अविवाहित महिला को गर्भपात करवाने की अनुमति देते हुए कही।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस को दिल्ली में भारी मीडिया ''अटैंशन'' मिला

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। नरेन्द्र मोदी सरकार के विरूद्ध कांग्रेस पार्टी का यह ''ब्लैक फ्राइडे'' था। पार्टी के नेता, कार्यकर्ता व अन्य कीमत वृद्धि, बेरोजगारी और खाद्य पदार्थों पर लगायी गई जी.एस.टी. के विरोध में काले कपड़े पहनकर सड़कों पर आ गए।

आम आदमी से जुड़े मुद्दों को लेकर एक विपक्षी पार्टी के रूप में कांग्रेस का यह संभवतया यह पहला महा-विरोध आंदोलन था, जिसमें दिल्ली पुलिस ने धारा 144 लगाकर विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और राहुल तथा प्रियंका गांधी सहित सभी प्रदर्शनकारी गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें देर शाम ही रिहा किया गया।

पुलिस ने समूचे अकबर रोड़ जहां कांग्रेस मुख्यालय भी स्थित है, की पूरे दिन बेरिकेडिंग करके रखी।

कांग्रेस ने राहुल और सोनिया गांधी से एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की पूछताछ को लेकर पूर्व में भी विरोध प्रदर्शन किया था और गिरफ्तारियां दी थीं, लेकिन शायद इन आलोचनाओं के बाद कि गांधी परिवार न अपने व्यक्तिगत मुद्दों को लेकर ही पार्टी कार्यकर्ताओं से लामबंद होने को कहा था, यह बड़ा आंदोलन किया गया।

- **ऐसा जरूर लगा कि, कांग्रेस अपने विपक्ष के रोल के प्रति जागरूक हो गयी है।**
- **पर, यह सवाल भी उठा, क्या रोल केवल आज के दिन के लिये ही था, इसके कुछ लम्बे समय तक बरकरार रहेगा।**

राहुल गांधी ने आज सुबह एक प्रैस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए इसे ''लोकतंत्र की हत्या'' की संज्ञा दी और इसे भारत में तानाशाही की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने संसद के भीतर और बाहर सभी तरह के विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा रखा है और ऐसी कार्यवाहियों का स्वागत वॉटर कैनन्स, बैरिकेडिंग और पुलिस की धक्का-मुक्की से किया जाता है और प्रयास किए जाते हैं कि विपक्षी पार्टियां विरोध के स्वर ना उठा पाएं।

कांग्रेस का कहना है कि वह सरकार की ऐसी सभी दमनात्मक नीतियों के विरूद्ध अपनी लड़ाई जारी रखेगी, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर प्रदेश को 108 एविएशन रूट आवंटित होंगे : सिंधिया

नयी दिल्ली 5 अगस्त (वार्ता) नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज घोषणा की कि उड़ान योजना के तहत उत्तर प्रदेश को आवंटित मार्गों की संख्या 63 से बढ्ढाकर 108 की जाएगी।

सिंधिया ने यह घोषणा लखनऊ से दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, कोलकाता और गोवा के लिए आठ संपर्क उड़ानों के उद्घाटन करने के दौरान की। लखनऊ हवाई अड्डे पर आयोजित इस कार्यक्रम में सिंधिया एवं नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल (अवकाश प्राप्त) वी.के. सिंह दिल्ली से वीडियो लिंक से जुड़े थे जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में नागर विमानन मंत्रालय में सचिव राजीव बंसल, संयुक्त सचिव उषा पाधी, उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव एस.पी. गोयल, एयर एशिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक सुनील भास्करन तथा नागर विमानन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार तथा एयर एशिया के अन्य गण्यमान्य प्रतिनिधि भी शामिल हुए। नए उड़ान मार्गों की शुरुआत के अवसर पर सिंधिया ने कहा, यह एक ऐतिहासिक घटनाक्रम है, जिसमें एक एयरलाइन ने एक शहर को भारत के 5 अन्य शहरों से 8 संपर्क उड़ानों के जरिए जोड़ दिया है। मैं एयर एशिया और उत्तर प्रदेश सरकार को इस उपलब्धि के लिए बधाई और धन्यवाद देना चाहता हूं। लखनऊ अब दिल्ली से तीन उड़ानों के जरिए, बेंगलुरू से दो उडानों के जरिए, मुंबई से एक उडान के जरिए और कोलकाता तथा गोवा से प्रतिदिन एक-एक उडान के जरिए जुड़ गया है।

उत्तर प्रदेश में नागर विमानन के विकास के लिए उनके मंत्रालय द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में सिंधिया ने कहा, मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि उड़ान योजना के अंतर्गत हमने उत्तर प्रदेश राज्य को 63 नए मार्ग आवंटित किए हैं और भविष्य में इन्हें बढ्ढाकर 108 कर दिया जाएगा, ताकि नागर विमानन सुविधा उत्तर प्रदेश के हर कोने तक पहुंच सके। हमने उड़ान योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 18 हवाई अड्डों का निर्माण करना तय किया है, जिसके संरचनागत विकास पर 1112 करोड़ रुपए का निवेश करने की आवश्यकता होगी। उत्तर प्रदेश में 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे होंगे, जो अपने आप में देश में अप्रतिम होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर भारत का उज्ज्वल उदाहरण बनाने का स्वप्न है और इस स्वप्न को साकार करने के लिए हम जेवर और अयोध्या के अलावा चित्रकूट, मुरादाबाद, अलीगढ़, आजमगढ़ और श्रावस्ती में हवाई अड्डों का निर्माण कर रहे हैं।

नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल सिंह ने एयर एशिया को लखनऊ के लिए नए उडान मार्ग शुरू करने तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी वैट और एटीएफ घटाने के लिए बधाई देते हुए कहा कि इससे राज्य में उड़ान संपर्क कायम करने में वृद्धि होगी।

लखनऊ से दिल्ली, बेंगलुरू और गोवा की उडानें आज ही प्रभावी तौर से शुरू हो जाएंगी और लखनऊ से मुंबई तथा कोलकाता के लिए उड़ानें 01 सितंबर से शुरू होंगी। इन नई संपर्क उड़ानों से लखनऊ और देश के अन्य मुख्य शहरों के बीच आवागमन मजबूत होगा, जिससे न सिर्फ अधिक संपर्क कायम होगा बल्कि यह क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और वाणिज्य की वृद्धि होगी।

एयर एशिया (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड की सब्सिडरी है जिसने 12 जून, 2014 को अपना कामकाज शुरू किया था। यह कंपनी देशभर के 18 गंतव्यों तक 50 से ज्यादा सीधी उड़ानें और करीब 100 संपर्क उड़ानें संचालित करती है।

'प्रजातंत्र अब केवल एक याद बन कर रह गया है देश में'

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि, जो प्रजातंत्र एक-एक ईंट रखकर, सौ साल में बना था, वह आपकी आंखों के सामने ध्वंस हो रहा है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 05 अगस्त। आज, जब कांग्रेस पार्टी महँगाई के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिये सड़कों पर उतर आई थी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश में लोकतन्त्र केवल एक याद के रूप में रहा गया है तथा आरोप लगाया कि भारत में इस समय लोकतन्त्र नहीं, बल्कि तानाशाही है और जो भी व्यक्ति इस नेतृत्व के विचार के खिलाफ खड़ा होता है, उसे जेल भेज दिया जाता हैं।

शुक्रवार को महँगाई के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के अखिल भारतीय विरोध-प्रदर्शन से पहले, ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर अपनी प्रैंस कॉफ्रेंस को सम्बोधित करते हुये, राहुल गांधी ने अपने पहले वाक्य में प्रश्न किया, ''भारत में तानाशाही की शुरूआत आपको कैसी लग रही हैं?''

राहुल गांधी ने एन्फोर्समेंट डायरेक्ट्रेट (ई.डी) द्वारा नेशनल हैरल्ड मनी-लॉन्डरिंग केस में उनसे तथा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से की जा रही पूछताछ के बीच कहा, ''आज भारत में लोकतन्त्र नहीं है। आज, चार लोगों की तानाशाही हैं हम बेरोजगारी, मूल्य-वृद्धि तथा सामाजिक विभाजन के मुद्दे उठाना चाहते हैं। हमें संसद में बोलने नहीं दिया जाता हैं। हमे गिरफ्तार कर लिये जाते हैं।''

- **''आर.एस.एस. का पूर्ण नियंत्रण है, प्रजातंत्र के सभी ''इन्स्टिट्यूशन्स'' पर।''**
- **''इसलिये हम जो भी आंदोलन करते हैं, जनता के सामने प्रभावी तरीके से नहीं आता।''**
- **''बढ़ती महंगाई एक सच्चाई है, पर एक दूसरा ही परिदृश्य प्रस्तुत किया जा रहा है।''**
- **''लाखों लोग मरे कोविड के प्रकोप के दौरान, पर सरकार कहती है यह झूठ है।''**
- **''बेरोजगारी बढ़ रही है, पर सरकार इसे स्वीकार नहीं कर रही।''**
- **''हिटलर भी चुनाव जीतते थे, क्योंकि सारा इन्स्टिट्यूशनल ढांचा उनके नियंत्रण में था।''**
- **राहुल गांधी ने संसद के कॉम्पलैक्स में प्रदर्शन किया, पर जब वे 64 सांसदों के साथ राष्ट्रपति भवन की ओर अग्रसर हो रहे थे, उन्हें सांसदों के साथ विजय चौक पर गिरफ्तार कर लिया गया।**

गांधी ने ई.डी. के उल्लेख को टालते हुए सीधे सरकार पर आरोप लगाया तथा मीडिया कर्मियों को चुनौती दी कि वे जायें तथा उन ई.डी. अधिकारियों से पूछे जिन्होंने मुझसे पूछताछ की थी कि उन्हें पूछताछ में क्या मिला।

गांधी ने कहा, ''हम लोकतन्त्र को मरता हुआ देख रहे हैं। एक-एक ईंट को जोड़ते हुये, करीब एक सदी पहले जिस भारत का निर्माण शुरू हुआ था, वह आपके सामने ध्वस्त किया जा रहा है। जो भी व्यक्ति इस तानाशाही के विचार के खिलाफ खड़ा होता है, उस पर दुष्टता पूर्ण तरीके से हमला होता है तथा उसे जेल में डाल दिया जाता है। मूल बात यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नकली गांधी'

नयी दिल्ली, 5 अगस्त (वार्ता) संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नकली गांधी करार दिया।

जोशी ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, राहुल गांधी महात्मा गांधी के वंशज नहीं हैं, वह नकली गांधी हैं।

यह टिप्पणी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आई जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उन पर हमला इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वह बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और सांप्रदायिक विभाजन जैसे मुद्दों पर सवाल उठा रहे हैं।

गांधी ने शुक्रवार सुबह कहा, वे गांधी परिवार पर हमला क्यों करते हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि हम एक विचारधारा के लिए लड़ते हैं और भारत में करोड़ों लोग हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा ,मेरे परिवार ने अपने जीवन का बलिदान दिया है। हम इस विचारधारा के लिए लड़ते हैं। हम दर्द महसूस करते हैं जब भारत सांप्रदायिक आधार पर विभाजित होता है, जब किसी को दलित होने के लिए पीटा जाता है तो हमें दर्द होता है, जब एक महिला को पीटा जाता है, तो हम दर्द महसूस करते हैं , इसलिए हम लड़ते हैं,।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस बीच कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, वे संसद से लेकर सड़कों तक विरोध करें तो भी उनका भ्रष्टाचार छुपाया नहीं जा सकता, वे जांच एजेंसियों से क्यों डरते हैं? वे सड़कों पर आकर क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं? देश भर में कांग्रेस नेताओं ने विभिन्न स्थानों पर और दिल्ली में संसद भवन और कांग्रेस मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कांग्रेस के कई अन्य शीर्ष नेताओं तथा पार्टी के लगभग सभी सांसदों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए नेताओं को शुक्रवार शाम रिहा कर दिया गया।

निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा अमृता अस्पताल फरीदाबाद में तैयार, मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 5 अगस्त (वार्ता) देश का निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल सह-चिकित्सा महाविद्यालय अमृता अस्पताल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फरीदाबाद इलाके में बनकर तैयार है, जिसका 24 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उद्घाटन करेंगे।

अमृता अस्पताल, फरीदाबाद के रेजीडेन्ट मेडिकल डायरेक्टर डॉ संजीव के सिंह ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि सेक्टर 88 में बना यह अस्पताल 2400 बिस्तरों का है और इसमें 81 विशेष विभाग स्थापित किये जा रहे हैं। अस्पताल में कैंसर, हृदय, तंत्रिका तंत्र, जच्चा-बच्चा देख-रेख, हड्डी रोग, प्रत्यारोपण, ट्रामा उपचार सहित चिकित्सा के आठ उत्कृष्टता केन्द्र भी होंगे। उन्होंने कहा कि यहां संक्रामक रोगों के उपचार के लिए देश की सबसे बड़ी सुविधा होगी। माता अमृतानंदामयी मठ के तत्वावधान में बने इस अस्पताल के उद्घाटन के मौके पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल और माता अमृतानंदमयी देवी भी मौजूद रहेंगी।

उन्होंने बताया कि एक करोड़ स्क्वायर फुट बिल्ट-अप क्षेत्र और 14 मंजिल वाले इस अस्पताल में चिकित्सा शिक्षा और पैरा-मेडिकल स्टाफ के शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं वाली फैकल्टी होंगी। इस अस्पताल में भारत के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ अन्य देशों के बेहतरीन चिकित्सों को नियुक्त किया गया है। चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ को 25 वर्ष पुराने अमृता अस्पताल, कोच्चि की व्यवस्थाओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया गया है।

डॉ सिंह ने बताया कि अस्पताल में मरीजों से उपचार के लिए वाजिब शुल्क लिया जायेगा और यह दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और अन्य कार्पोरेट अस्पतालों से निश्चित रूप से कम होगा। अस्पताल में गरीबों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है और ऐसे मरीजों की पहचान के लिए एक समिति निरंतर कार्यरत रहेगी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस अस्पताल से लगभग 2000 लोगों को प्रत्यक्ष और 2000 अन्य लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। अस्पताल का पूरी क्षमता से संचालन शुरू हो जाने पर 10000 लोगों को रोजगार प्रदान करेगा और इसमें 800 से अधिक चिकित्सक कार्यरत होंगे।

डॉ सिंह ने बताया कि हरियाणा का अब तक का यह सबसे अधिक राशि का निवेश वाला प्रोजेक्ट है और इस प्रोजेक्ट से हरियाणा सरकार को अब तक वस्तु एवं सेवाकर के मद में 300 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।